

CCE RF

ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರಾಂಥ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷೆ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು - 560 003

**KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESWARAM,
BANGALORE - 560 003**

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಎಸ್. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಮೊಟ್ಟೊಳೆ / ಏಪ್ರಿಲ್ - 2015

S. S. L. C. EXAMINATION, MARCH/APRIL - 2015

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು
MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 10. 04. 2015]

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **61-H**

Date : 10. 04. 2015]

Code No. : 61-H

ವಿಷಯ : ತೃತೀಯ ಭಾಷೆ – ಹಿಂದಿ

Subject : Third Language – HINDI

(ನೋವೆ ಪಠ್ಯಕ್ರಮ / New Syllabus)

(ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / Regular Fresh)

[ಪರೀಕ್ಷೆಯ ಅಂತರ್ಗತಿ : 80

[Max. Marks : 80

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---------------|---------------------------------|-----|
| | खण्ड - ಕ (ವ्याकरण - ವಿಭಾಗ) | |
| I. | सही ವಿಕಲ್ಪ ಚುನೆ : | |
| 1. | (C) ವ्यವಸ्थಾಪಕ | 1 |
| 2. | (B) ಅಸ್ಥಿರ | 1 |
| 3. | (A) ಧೈರ್ಯ | 1 |
| 4. | (D) ಪರಾಪಕಾರ | 1 |
| 5. | (B) ದುರ್ಘ | 1 |
| 6. | (D) ಪ್ರಶನಬಾಚಕ | 1 |
| 7. | (C) ಪರಿಶ್ರಮ ಕರನಾ | 1 |
| 8. | (B) ಕೀ | 1 |



RF-1011



[Turn over

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---------------|--|-----|
| | खण्ड - ख (गद्य और पद्य विभाग) | |
| II. | स्तम्भ मिलान : | |
| 9. | अ) vi) गुरुदेव | 1 |
| | आ) i) बचपन का अधिकार | 1 |
| | इ) v) कृष्ण भक्त कवि | 1 |
| | ई) iii) इनफारमेशन टेक्नोलॉजी | 1 |
| III. 10. | अंतर्जाल | 1 |
| 11. | बसंत | 1 |
| 12. | ज्ञानपीठ पुरस्कार | 1 |
| 13. | देशभक्ति | 1 |
| IV. 14. | ई-गवर्नेंस से प्रशासन पारदर्शी बनता है। ई-गवर्नेंस से सरकार के सभी काम-काज यथावत् लोगों को सूचित किया जाता है। | 1 |
| 15. | भारतमाता अपने मुक्त हाथों से सुख-संपत्ति और धन-धाम बाँट रही है। | 1 |
| 16. | गिलहरी की समाधि सोहनजूही लता के नीचे बनायी गयी। | 1 |
| 17. | कर्नाटक की पश्चिम दिशा में सह्याद्रि पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं। | 1 |
| 18. | लेखक को ईमानदार मानकर ईमानदारों के सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था। | 1 |
| 19. | बलराम, कृष्ण को श्याम (काला) कहकर चिढ़ाता था। | 1 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|--|---|-----|
| V. 20. | भीष्ण साहनी के अनुसार — “अपने से अलग साहित्य नाम की कोई चीज़ नहीं होती । मेरे संस्कार, अनुभव, मेरा व्यक्तित्व, मेरी दृष्टि सभी मिलाकर रचना की सृष्टि करते हैं ।” | 2 |
| 21. | मातृभूमि हरे-भेरे सुंदर खेत, फल-फूल, बन-उपवन, अपार खनिज संपदा से सुशोभित हैं । उसके एक हाथ में न्याय पताका है और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है । | 2 |
| 22. | सन् 1919 में जलियाँवाला बाग में अमानुषिक हत्याकाण्ड हुआ । इसके विरोध में रवींद्रनाथ ठाकुर ने ‘सर’ की उपाधि त्याग दी । | 2 |
| 23. | महादेवी वर्मा को चौंकाने की इच्छा से गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोहनजूही की पत्तियों में छिप जाता था । | 2 |
| 24. | बसंत राजकिशोर से पैसे नहीं लिए क्योंकि बसंत ईमानदार लड़का था । वह दया की भीख नहीं लेना चाहता था । वह परिश्रम करके जीना चाहता था । | 2 |
| 25. | लेखक दूसरे दर्जे में सफर करके पहले दर्जे का किराया लेना चाहते थे । और जलसा खत्म होने के बाद लेखक की नयी चप्पलें गायब थीं । तो उन्होंने दूसरों की चप्पलें पहन ली । इन बातों से उनकी बेर्इमानी व्यक्त होती है । | 2 |
| 26. | राष्ट्रभाषा के संबंध में कंबारजी के विचार थे कि — हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है । राष्ट्र में एकता लाने के लिए हिंदी भाषा अत्यंत उपयोगी है । आजकल यह संपर्क भाषा के रूप में प्रचलित है । | 2 |
| 27. | यशोदा बाल कृष्ण की बातें सुनकर और उसके क्रोधयुत मुख को देखकर खुश हो जाती थी । | 2 |
| 28. | राम नाम का जप करने से मानव की आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है । जैसे देहलीज पर दीया रखने से भीतर और बाहर प्रकाश फैलता है । | 2 |
| 29. | शनैःचर का अर्थ है — धीमी गति से चलनेवाला । शनि सूर्य का पुत्र है । | 2 |
| अथवा | | |
| सत्य के बारे में गाँधीजी का कथन है — “सत्य एक विशाल वृक्ष है । उसका जितना आदर किया जाता है उतने ही फल उसमें लगते हैं । उनका अंत नहीं होता ।” | | |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---------------|---|-----|
| 30. | हमारा जीवन समय से बना है। समय के नष्ट हो जाने से जीवन भी विनष्ट हो जाता है। खोया हुआ समय बार-बार नहीं आता। इसलिए समय के महत्व को समझना चाहिए। | 2 |
| VI. 31. | <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>जीवन में सफल होने के लिए सबको समय के साथ चलकर उसका सदृपयोग करना चाहिए। क्योंकि समय किसी के लिए रुकता नहीं है।</p> <p>कर्नाटक की प्राकृतिक सुंदरता न्यन मनोहर है। पश्चिम में अरबी समुद्र, इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं। इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान हैं।</p> | 3 |
| 32. | अपने जीवन में दर्द और तकलीफ उठाने के बावजूद सार्थक कार्य करनेवाली तिम्मका का व्यक्तित्व सबके लिए आदर्श है। सरकारी संसाधनों के अभाव में भी कोई एक व्यक्ति केवल अपनी निष्ठा व श्रद्धा की बदौलत किसी सामाजिक कार्य के लिए स्वयं को समर्पित कर सकता है, इसके लिए तिम्मका अत्युत्तम निर्दर्शन है। | 3 |
| 33. | कवि दिनकर के अनुसार आज मनुष्य ने प्रकृति पर विजय प्राप्त कर ली है। यह उसकी साधना है, पर मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धि है। जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए, वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा। | 3 |
| 34. | प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास जी कह रहे हैं कि मनुष्य पर जब विपत्ति पड़ती है, तब विद्या, विनय तथा विवेक ही उसका साथ निभाते हैं। जो राम पर भरोसा करता है, वह साहसी, सत्यब्रती और सुकृतवान बनता है। | 3 |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---------------|--|-----|
| VII. 35. | <p>करोड़पति और भिखारी में से भिखारी श्रेष्ठ है। क्योंकि भिखारी भूखा था उसे पैसों की जरूरत थी। भगवान की कृपा से उसे पचास पैसे भीख में मिले जिससे वह खुशी से ईश्वर को अपनी कृतज्ञता अर्पण करता है। लेकिन रास्ते में रोते हुए भूखे बच्चे को देखकर उस पर दया आयी और उसने उन पैसों को उसे दे दिये और उसने करोड़पति को कार के नीचे आने से बचा लिया। लेकिन करोड़पति पहले भीख देने से इनकार करता है। लेकिन अपनी जान बचने की खुशी में बविशश देना चाहता है। यहाँ हम करोड़पति की तुलना में भिखारी की निःस्वार्थता, दया जैसी मानवीय मौल्यों को देख सकते हैं।</p> | 4 |
| 36. | <p>अथवा</p> <p>बसंत स्वाधिमानी और ईमानदार लड़का था। वह मेहनत से पैसा कमाना चाहता था। वह मेहनती था। इसलिए उसने पं० राजकिशोर से दया की भीख लेने से इनकार किया। जब वह नोट भुनाने गया तब लौटते समय मोटर के नीचे आ गया। और बुरी तरह से घायल होने पर भी वह अपने भाई प्रताप को पैसे लौटाने राजकिशोर के यहाँ भेजता है।</p> <p>विमल इन्दु की विशाल किरणें</p> <p>प्रकाश तेरा बता रही हैं।</p> <p>अनादि तेरी अनन्त माया</p> <p>जगत् को लीला दिखा रही हैं।</p> | 4 |

अथवा

मुखिया मुख सो चाहिए, खान-पान को एक ।

पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ॥



| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---------------|---|------------------|
| | खण्ड - ग (रचना - विभाग) | |
| VIII. 37. | i) कूर B) ii) मीठी बातों से A) iii) रामायण C) iv) पाप-पुण्य D) | 1 1 1 1 |
| IX. | कन्नड अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : | |
| 38. | कॅल्फिक्स लाइफाली बैंगलूरु. | 1 |
| | Bengaluru is the capital city of Karnataka. | |
| 39. | थिम्मक्का ने वृक्षों को अपने बच्चों के लिए बहुत प्यारा किया है। | 1 |
| | Thimmakka loves trees as her own children. | |
| 40. | गीतांजलि के उद्देश्य गीतेयि भावव्याख्यानिः। | 1 |
| | Each one of the units in Geetanjali is full of emotions. | |
| 41. | वचनकार्यरागिणी बसवेणुनवरु चांडिकारि सम्बाद सुधारकरागिणीरु. | 1 |
| | Vachanakara Basavanna was a rational social reformer. | |

| प्रश्न संख्या | सही उत्तर | अंक |
|---------------|--|-----|
| X. 42. | <p>प्रधानाध्यापक के नाम पत्र / छुट्टी पत्र</p> <ul style="list-style-type: none"> * प्रेषक का पता और दिनांक $\frac{1}{2}$ * पत्र पाने वाले का पता $\frac{1}{2}$ * विषय $\frac{1}{2}$ * संबोधन $\frac{1}{2}$ * पत्र का कलेवर $1\frac{1}{2}$ * समाप्ति $\frac{1}{2}$ <p>अथवा</p> <p>पारिवारिक पत्र :</p> <ul style="list-style-type: none"> * प्रेषक का पता और दिनांक $\frac{1}{2}$ * संबोधन और अभिवादन $\frac{1}{2}$ * पत्र का कलेवर 2 * समाप्ति $\frac{1}{2}$ * पत्र पानेवाले का पता $\frac{1}{2}$ | 4 |
| XI. 43. | <p>निबंध रचना :</p> <ul style="list-style-type: none"> * प्रस्तावना 1 * विषय विस्तार 2 * उपसंहार $\frac{1}{2}$ * भाषा का प्रयोग $\frac{1}{2}$ | 4 |